RAN-2401001203020003

RAN-2401001203020003

B.A.(NEP) (Sem. - III) Examination March - 2026

Hindi (Major) : Hindi Upanyas (Ganga Maiya) (Paper - VI)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

प्र. 1. निम्नलिखित संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर दीजिए।(किन्ही पाँच) **10**

1. भैरवप्रसाद गुप्त का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
2. 'गंगा मैया' उपन्यास की कथा कितने अध्यायों में विभक्त है?
3. मटरूसिंह का गाँव कौन-सा था और वह किस कार्य में सक्रिय रहता था?
4. भाभी के नाम की तुलना किससे की गई है और उसके जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी क्या थी?
5. बिलरा कौन था और वह किसके यहाँ काम करता था?
6. ''तुम धरती की जान हो'' किसने कहा और किससे कहा?
7. मटरूसिंह और गोपीचंद की मुलाकात कहाँ हुई?

प्र. 2. भैरवप्रसाद गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। **13**

अथवा

उपन्यास की परिभाषा, तत्व एवं प्रकार की विवेचना कीजिए।

प्र. 3. 'गंगा मैया' उपन्यास की प्रमुख पात्र भाभी का चरित्र -चित्रण कीजिए। **13**

अथवा

गोपीचंद की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।

प्र. 4. अ. टिप्पणी लिखिए। **07**

क. गंगा मैया' उपन्यास की भाषा-शैली।

अथवा

क. 'गंगा मैया' उपन्यास में वातावरण योजना।

ब. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **07**

ख. गंगा मैया आँचल धानी रंग में रंगकर लहरा उठा था। देखकर किसानों की छाती फूल उठती। इतना ज़बरदस्त धान आया था, कि टाँगे से कटे। रब्बी न बोने का अफ़सोस जाता रहा। उससे कहीं ज़्यादा धान की पैदावार होगी । गंगा मैया की लीला अपरम्पार है। उसके आँचल में क्या-क्या भरा पड़ा है, इसका अन्दाज़ कौन लगा सकता है? जो जितनी सेवा इस धरती की करे, गंगा मैया उसे उतना ही दें! मेहनत कभी अकारथ हुई है?

अथवा

ख. उसकी अब तक बँधी आशा टूट गयी थी। इतने दिनों अपने हृदय से लड़कर उसने उससे जो समझौता किया था, वह व्यर्थ सिद्ध हो गया। पिता की एक बात ने ही उसके अब तक के खड़े किये गये महल को ठोकर मारकर गिरा दिया। एक नयी राह पर चलकर अपनी मंजिल के करीब वह पहुँचा ही था कि उसकी टाँगें तोड़ दी गईं। आज वह जितना दुःखी था उससे कहीं अधिक क्षुब्ध था।